

**EDITORIAL TEAM**  
**MS. AARTI PRAJAPATI**  
**MS. HETAL GADHVI**  
**MS. LAXMI SHIVLANI**

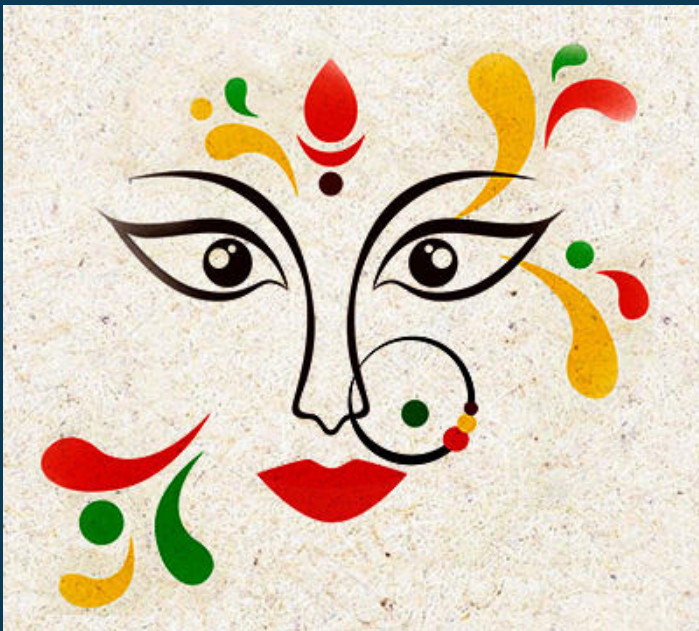


# **Atmiya Vidya Niketan**

# **AVN QUEST**

Confluence of Humanity, Conscience & Consciousness

*Happy Navratri!*



## **TOPICS OF THE MONTH**

- **THOUGHT OF THE MONTH**
- **AMAZING TURTLE**
- **THE BOULDER AND THE GOLD**
- हमारा भारतवर्ष महान
- कोरोना और हमारा जीवन
- आत्मनिर्भर भारत
- **BLACK DAY CELEBRATION**
- **STUDENT CORNER**





# Thought of the month

“When you talk, you are only repeating what you already know; but when you listen, you may learn something new.”

Dalai Lama

## \*The Boulder and the Gold\*

There once was a king who decided to do a little experiment. He had a giant boulder put right in the middle of the street. He then hid near the boulder to see who, if anyone, would try to move it out of the way.

First, some wealthy merchants walked by. They walked around the boulder, complaining that the king hasn't been maintaining the roads very well.

Next, a peasant walked by, heading home with his arms full of food for his family. When he noticed the boulder, he put his groceries down and attempted to move it out of everyone's way. It took him a while to move it, but he eventually succeeded.

After the peasant gathered up his groceries to carry on home, he noticed a bag lying in the middle of the road, just where the boulder once was. He opened the bag to find that it was stuffed full of gold coins, along with a letter from the king saying that the bag's gold was a reward for the peasant to keep because he had taken the time and energy to move the boulder out of the road for the convenience of others who would be travelling the road in the future.

## \*Moral\*

The peasant in this story was taught by the king that every obstacle you face offers an opportunity to improve. If you're able to push through moments that are challenging, you may end up being much better off than you were before you started trying.

This story also offers a lesson of personal responsibility. If you see a job ahead of you, don't leave it for the next person to do. Rather, step up and get the job done to help the people who come after you.



Hetal Gadhvi  
Librarian  
AVN



## AMAZING TURTLE



1. World turtle day is celebrated on 23 May.
2. They can hold their breath for five hours underwater.
3. They live 100 - 150 years .
4. One of the oldest turtle was found in Galapagos Island in South America and was 170 years old .
5. Their favourite meal is jellyfish and can travel a long distance for it .
6. Turtles do not have teeth. They use their beak like mouth to grasp their food.
7. They have colour preference and can identify Red , Orange , yellow colours.
8. Turtle do not retract in the shells like tortoise.
9. Their gender depends on how hot or cold their environment was while they were in their eggs.
10. Male turtle spend whole life in the sea but female come out of the sea and gives egg on sea shores.
11. Leatherback sea turtles and species of turtle which have a leather shell .
12. Leatherback turtles sea turtle have existed till now since the age of dinosaurs.

NAYAN N JAVIYA  
STD. 7



### हमारा भारतवर्ष महान

चक्र सुदर्शन सा लहराए, करती हूँ मैं गुणगान  
अद्वितीय, अजेय, अनूठा है, मेरा भारत महान।  
प्राचीन संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों से है इसकी पहचान  
विश्व – गुरु कहलाया जग में, मेरा भारतवर्ष महान।।  
वेद, उपनिषद्, महाभारत और गीता से मिला अध्यात्म का ज्ञान,  
अद्वितीय, अजेय, अनूठा है, मेरा आर्यावर्त महान।  
ऊँच-नीच का भेद नहीं कुछ, सद्गुण को होता सम्मान,  
चहुँ ओर दिशा में गूँज रहा है, हमारा भारतवर्ष महान ।।  
आजादी के परवानों का गूँज रहा स्वाधीनता आह्वान,  
इनकलाब के नारों से सत्य पर हुए बलिदान, हमारा भारतवर्ष महान।  
मनुष्यता की जय यात्रा में, मानव - मानव एक समान,  
ऐसा चला शक्ति अभियान, सम्पूर्ण विश्व को सीख दे रहा, मेरा भारत महान।।  
जल में, थल में और गगन में, तकनीकों में नई उड़ान,  
न्याय और आतिथ्य भावना, हैं इसके अद्भुत परिधान।  
नित्य-विजय, नूतन उत्थान, सम्पूर्ण विश्व में गूँज रहा भारत-माता का  
जयगान,  
शत – शत नमन इस पावन धरा को, हम सब का प्यारा हिन्दुस्तान।।

अनुभा सिंह  
( हिन्दी अध्यापिका)  
आत्मीय विद्या निकेतन

### आत्मनिर्भर भारत

उच्चतम गुणवत्ता का सामान देश में ही बनाना है  
हमें अधिकतम वस्तुओं का निर्माण स्वयं ही करना है।  
देशवासियों में शुद्धता और विश्वास का भाव जगाना है  
दृढ़-संकल्प कर मन में विश्वास लिए स्वदेशी ही अपनाना है।।  
हाँ! अब मेरे भारत को आत्मनिर्भर बनाना है।

विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर ज़िम्मेदारियों को अपनी निभाना है।  
एक जुट होकर सभी संकटों से लड़कर, जन-जन को आत्मनिर्भरता का  
पाठ पढ़ाना है,  
आत्मनिर्भर भारत का अब हमें आगाज़ करना है  
हाँ! अब मेरे भारत को आत्मनिर्भर बनाना है।

‘आत्मनिर्भर’ मात्र एक शब्द नहीं!  
आत्मनिर्भरता मनुष्य का सबसे बड़ा शस्त्र है।  
किसी दूसरे की आत्मा पर नहीं! मानव खुद की आत्मा पर निर्भर रहे!  
जन-जन का ये नारा है, अब से भारत को आत्मनिर्भर बनाना है  
पूरे विश्व में भारत का ही मान बढ़े,  
‘आत्मनिर्भरता’ यही हमारी पहचान बने।।  
हाँ! अब मेरे भारत को आत्मनिर्भर बनाना है।

फोरम पटेल  
कक्षा - 9

### कोरोना और हमारा जीवन



जैसे हर चमकती चीज़ का मतलब सोना नहीं होता  
वैसे हर एक छींक का मतलब कोरोना नहीं होता।  
केवल पानी से हाथ धोना, हाथ धोना नहीं होता  
स्वच्छता की दृष्टि से **20** सेकेंड साबुन से हाथ धोने पर कोरोना नहीं होता।।  
रखो स्वच्छता अब किसी से डरो ना, बिना काम के आप घूमो फ़िरो ना  
सुरक्षा सदा प्राथमिक कार्य हो अब, प्रसारित नहीं हो सकेगा कोरोना।  
जागरुकता जानकारी रखनेवालो को बाद में रोना नहीं होता  
महामारी के दौरान हमें बस धैर्य खोना नहीं होता  
सेनेटाइज़र, मास्क के प्रयोग से कोरोना नहीं होता।।  
समय रहते सचेत होंगे तो, अपनी जान खोना नहीं होता  
रोगी स्वयं आइसोलेट हो जाए तो औरों को कोरोना नहीं होता।  
घर से बाहर जाना और लोगों से हाथ मिलाना नहीं होता  
हाथ जोड़कर नमस्कार करने वालों को कोरोना नहीं होता।।  
पुलिस, चिकित्सक, परिचारिका की मेहनत को सलाम करते हम  
दुःख की घड़ी में हिम्मत और ज़ज्बे को हथियार मानते हम।  
हे ईश्वर! दुःख की घड़ी में हर मानव के रक्षक बनना आप  
घातक हमले होने से पहले कोरोना को नष्ट कर दें आप।।



यत्वी पटेल  
कक्षा - 8

### आत्मनिर्भर भारत

माँ कहकर बुलाते हैं, आर्यावर्त को  
माता मानकर पूजते हैं, भारत को।

यूँ ही नहीं ‘सोने की चिड़िया’ कहलाता हिन्दुस्तान  
विश्व-गुरु कहलाया जग में मेरा भारतवर्ष महान।।  
राह दिखानी है अब सब को हर मुश्किल से लड़ने की  
दूसरों को हराने नहीं, अब खुद को विजयी बनाने की।  
हार-जीत के लिए भाग्य को नहीं, स्वयं को दोष देने की।  
सोने की चिड़िया बनकर अब अंबर छूने की बारी है  
मन में यही संकल्प हमें धारण करने की बारी है।  
जोश, उमंग, दृढ़-निश्चय के साथ हमने कर ली तैयारी है।।  
आत्मनिर्भर बनेगा भारत खुद के बने हथियारों से  
आत्मनिर्भर बनेगा भारत मेलजोल के भाईचारों से।  
आत्मनिर्भर बनेगा भारत खुद के ही विचारों से  
आत्मनिर्भर बनेगा भारत खुद के ही आविष्कारों से।।  
कुछ सीखकर ये दौर भी गुज़र जाएगा  
कल आज और आज कल में बदल जाएगा।  
कुछ कहकर कुछ सहकर ये वक्त भी गुज़र जाएगा।  
बदलते परिवेश का आइना फिर नूतन दृश्य दिखाएगा  
कुछ खोकर, कुछ पाकर यह नैया पार लगाएगा।  
आत्मनिर्भर भारत अद्भुत, अद्वितीय, अनूठा, अजेय बन जाएगा।।



देवांशी सोनी  
कक्षा - 10







# STUDENT CORNER



**KRISHAY PRAJAPATI**  
**CLASS 3A**  
**LIBRARY ACTIVITY (MAKING PUPPET)**



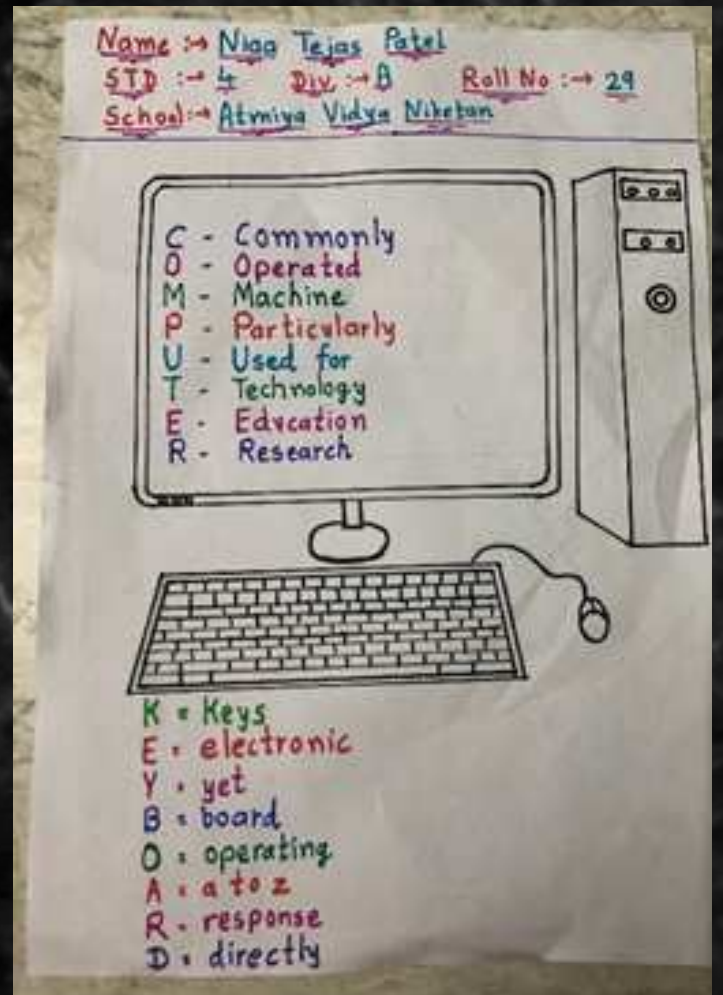
**VEDANSHI MODANI STD-3A**



**ADIT PANDEY**  
**STD 3-A**



**krisha samir soni 4 A 19**



## BLACK DAY CELEBRATION IN GRADE 1

Black is the sky late at night.  
Black is the colour when I shut my eyes tight"  
The color black represents strength, seriousness, power, and authority. Black is a formal, elegant, and prestigious color.

